कानपुर के जन संगठनों की एक मंच पर आने की पहल

नागरिक स्वतन्त्रता को बचाने के लिए शुरू हुए एक-जुट प्रयास

देश और कानपुर में नागरिक अधिकारों के लिए लडने वालों के दमन की बढती घटनाओं के विरोध में वामपंथी, सर्वोदयी. समाजवादी, मानवता वादी आंदोलनों से जुडे लोग धीरे-धीरे एक मंच पर आने की पहल शुरू कर दिए है । आज कानपुर खलासी लाइन शा:स्त्री भवन में हुई एक बैठक में कानपुर शहर के संगठनो एंव मजदूर आन्दोलनों से जुडे सभी लोग एकत्रित हुए ।

बैठक में ये बात प्रमुख रुप से उभर कर आई की कानपुर में लगातार मानवाधिकार का उलंघन होने के साथ-साथ नागरिक स्वतंत्रता का हनन हो रहा है, साथ ही इस मुद्दे पर संघर्ष करने वालो और इनकी आवाज को उठाने वाले लोगो और संगठनों पर प्रशासन और सरकार द्वारा उत्पीडन किया जा रहा है । ऐसे में ये जरुरी हो जाता है की, कानपुर शहर में एक ऐसा मजबूत मंच हो जो त्वरित करवाई करते हुए इस प्रकार के मामले को उठा सके और इसकी लडाई लड सके । ये तभी प्रभावी ढंग से सफल हो सकता है, जब कानपुर के सभी जन संगठन और मानवता वादी लोग अपनी मतभेदों को छोडकर इस मुद्दे पर एक मंच पर एक साथ आकर खडे हो ।

इस बैठक में सभी लोगो ने मानवाधिकार कार्यकर्ता विनायक सेन पर सरकार द्वारा किये जा रहे क्रूर दमन के विरोध में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की आज जिस तरह से सरकार और प्रशासन विनायक सेन जैसे सैकडो लोगों को जेल में बंद कर मानवाधिकार की आवाज को चुप कराने की कोशिश कर रही है, उससे ये लगता है, की

आने वाले समय में देश का वो हर नागरिक जो मानवाधिकार या न्याय की बात करेगा उसका हश्र विनायक सेन जैसा होगा । आज पुलिस और प्रशासन की नजरों में हम सभी विनायक सेन है । कब किसको पुलिस उठाकर बंद कर दे और झूठे अपराध में जेल भेज दे, ये कोई नहीं जानता । जिस तरह से पुलिसे राजनेताओं की चमचा बनी है, उसे देख कर तो यही लगता है । इसका ताजा उद्धरण है, कानपुर का दिव्या और बंद का शीलू कांड जिसमे अपराधियों को पकडने के बजाय पीडित पक्ष पर ही झूठे मुकदमे गढ कर जेल भेज दिया । भ्रष्टाचार के खिलाफ लडने वालो को जिन्दा जलाया जा रहा है, और गोली मारकर हत्या कर दी जा रही है । भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग में सत्येन्द्र दूबे, मंजूनाथन, अमित जाठवा ललित नरायण और हाल ही में यशवंत सोनवने जैसे लोगो की शहादतो के बाद भी सरकार की चुप्पी ये साबित करती है कि संसद हत्यारी है भ्रष्ट है ।

बैठक में विजय चावला जी ने ये बात कही की जिस तरह से आज बडी-बडी कंपनियों के हाथ हमारी सरकारे बिक गई है और रोज जैसी परियोजनायें आम आदमी के हितो का गला घोंट रही है, साथ आम आदमी पर क्रूर दमन रवैया अपना रही है, ऐसे समय में ये जरुरी हो जाता है, की हमारे शहर में एक ऐसा मजबूत मंच हो जो नागरिक स्वातंत्रय के मुद्दों को लेकर लड सके, इसलिए PUCL एक ऐसा मंच है, जो लगातार देश भर के तमाम नागरिक स्वातान्त्रय के मुद्दों को लेकर कई वर्षो से लड रहा है । कानपुर में हम PUCL कानपुर इकाई का गठन कर कानपुर में हो रहे तमाम मानवाधिकार के मुद्दों के लिए संघर्ष कर सकते है । बैठक में शामिल तमाम लोगो ने इस बात पर

अपनी सहमति जताते हुए PUCL की कानपुर इकाई के गठन की जरुरत महसूस की ।

बैठक में ये तय हुआ की आगामी 23 मार्च को एक बडी बैठक कर PUCL क प्रदेश अध्यक्ष चितरंजन भाई और अन्य पदाधिकारियो के समक्ष PUCL कानपुर की इकाई का गठन किया जायेगा । इसकी विस्तृत रूप रेखा तय करने के लिए आगामी 12 फरवरी को एक बैठक करने का तय किया गया । बैठक में ये भी बातचीत की गई की शहर के प्रतिष्ठित लोगो जैसे साहित्यकार गिरिराज किशोर, मानवती आर्य, सईद नकवी, बार असोसिएसन और अन्य लोगो को इस मंच पर लाने की पहल किया जाय, जिससे एक मजबूत और प्रभावशाली मंच बन सके, जो नागरिक स्वातंत्रय के मुद्दों को मजबूती से लड सके । आज के इस बैठक में दीपक मालवीय, विजय चावल, विष्णु शुक्ला, कुलदीप सक्सेना, छोटे भाई नरोना, संजीब ,शंकर भाई, योगेश, विष्णु अग्रवाल, नीरजा, पूजा, इश्तियाक अहमद, के0 एम0 भाई, अनुराग, अजीत खोटे, रोबी शर्मा और अन्य लोग शामिल रहे ।

Mahesh Kumar
"Asha" Kanpur
http://balsajag.blogspot.com/
http://dangerschool.blogspot.com/
http://mlpskool.blogspot.com/
http://rtiup.blogspot.com
http://alivephoto.blogspot.com
Apna Ghar
B-135/8, Pradhane Gate, Nankari
IIT, Kanpur-16 India
Ph: +91-512-2770589 (Hostel)
Cell No. +91-9838546900
www.ashaparivar.org